Title : **CHRIST'S CALL TO COURAGE**
Preached by Dr. w euGENE SCOTT, PhD., Stanford University
At the Los Angeles University Cathedral
Copyright © 2007, Pastor Melissa Scott. - all rights reserved

शीर्षक :**साहस के लिये मसीह की पुकार**
डॉ. डब्लयू. यूजीन स्काट, विशारध, स्टैनफोर्ड विश्व विध्यालय,
द्वारा लासऐंजलस के गिरजाघर में उपदेश दिया गया
अधिकार © २००७, पादरी मैलिसा स्काट - सारे अधिकार सुरक्षित

CHRIST'S CALL TO COURAGE
साहस के लिये मसीह की पुकार

मैं इस कहानी को कई बार बता चुका हुँ, परन्तु इतने सही समय पर कभी नहीं। एक लडका टेक्सस में मौडल टी फोर्ड चला रहा था और उसकी कार खराब हो जाती है। वह धूप में बैठा हुआ है। एक टेक्सास का जानवर चराने वाला, अपनी बडी काली कार, कैडीलैक चलाता हुआ वहाँ पर आया, तो इस आदमी ने उसे रोका। उसने कहा, "मेरी छोटी गाडी चल नहीं रही है। क्या आप मेरी मदद करेंगे?" उस आदमी ने बोला, "जरूर, मैं तुम्हारी गाडी को अपनी गाडी के पीछे बांद कर अगले शहर तक खींचता ले जाऊँगा। वह अधिक दूर नहीं है।" उसने अपनी बडी कैडीलैक से छोटी मौडल टी को बाँधा और शहर की ओर खींचता ले गया। थोडी देर बाद वह अपने विचारों में इतना डूब गया की वह यह भूल ही गया की उसके पीछे मौडल टी बंधी हुई है। वह सडक पर फर्राटे से गाडी चलाता रहा। वह शहर पहूँचता है पर रुकता नहीं है और फर्राटे से चलता रहता है। छोटे शहर के एक पुलिस वाले ने अगले शहर के पुलिस वाले को फोन कर के बताया की, "एक बडी काली कैडीलैक, बिजली की तरह सडक पर फर्राटे से दौडती आ रही है और गाडी चलाने का हर नियम तोड रही है। आप रास्ते पर रूकावट लगा कर उसे अगले शहर में रोकीये। और जो मैं आगे बताने वाला हुँ उस पर तुम्हें यकीन नहीं होगा। उसके पीछे एक पुरानी छोटी मौडल टी हार्ण बजाती हुई ऐसे धौडे आ रही है, जैसे वह उस से आगे निकलना चाहती हो।" बैंड और गाना सुनने के बाद, जब प्रचार करने के लिये खडा हुआ हुँ, तो मुझे उस मौडल टी की तरह लग रहा है। परन्तु परमेश्वर का वचन सडक को साफ कर देगा।

मैं मत्ती, अध्याय ९ से प्रारंम्भ करता हुँ। याद है मेरे पास ऐसे उपदेश हैं जिन्हें मैं हर वर्ष प्रचार करता हुँ। पिछले वर्ष मुझे दिल का दौरा पडा, जो अब बिलकुल स्वस्थ हो चुका है, मैंने आप को बताया था - मैंने दिल का दौरा पडने के बाद आप से कहा था की - मैंने अपने जीवन को दो भागो में बाँटा है, "दिल का दोरा पडने से पहले" और "दिल का दौरा पडने के बाद" - मैंने इन वार्षिक उपदेशों के लिये नया नाम सीख लिया है: नाईट्रो गोलीयाँ। दिल के दौरे से परेशान लोग नाईट्रो गोलीयाँ अपने पास रखते हैं। मैंने दिल का दौरा पडने से पहले यह गोली कभी नहीं ली थी; और औपरेशन से पहले उन्होंने मुझे नाईट्रो गोली दी थी और उस से जो मुझे दर्द से छुटकारा मिला - तब मुझे पता चला की इसे अपने साथ

क्यों रखा जाता है। कोई नाईट्रो गोलीयों के बारे में ध्योन नहीं देता केवल उन लोगों के जिन्हें इस की आवश्यक्ता है, जब इन की आवश्यक्ता होती है तो यह बहुत बहूमूल्य होती हैं । मुझे नहीं लगता की अब उन की आवश्यक्ता मुझे है, परन्तु मैं फिर भी नाईट्रो गोलीयों को अपने करीब रखता हुँ, प्रचार करते समय भी, क्योंकी कब उन की आवश्यक्ता पड जाये यह कोई नहीं जानता। ये उपदेश नाईट्रो गोलीयों की तरह है। जब आप को आवश्यक्ता होती है तो ये "आत्मिक नाईट्रो गोलीयाँ" हैं। यदी आवश्य्कता नहीं है तो छोड दो, परन्तु दिखने में ऐसा न लगे की आप ने इन को छोड दिया है। आप को ऐसा लगना चाहिये जैसे की आप जमीन पर हैं और कह रहे हैं, "मेरी नाईट्रो गोलीयाँ कहाँ हैं?" यह उपदेश उन में से एक है।

मैं मत्ति, ९:२ से प्रारंम्भ करता हुँ। "फिर वह नाव पर चढ कर पार गया, और अपने नगर में आया। और देखो कई लोग लकवा के एक रोगी को खाट पर रखकर उस के पास लाए। यीशु ने उनका विश्वास देखकर, उस लकवे के रोगी से कहा, 'हे पुत्र, ढाढस बाँध, तेरे पाप क्षमा हुए।" यूनानी शब्द जिस का प्रयोग किया गया वह *थारसेई* है। इसी अध्याय की २२ आयत को हम देखें - इस की तुलना हर इंजील से कर सकते हैं और आप पायेंगे की यह कहानी दौहराई गयी है और आप हर तत्व को चुन सकते हैंः एक अमीर आदमी - याईर, उस के पास आता है, और उससे बिनती करता है। उसकी बेटी अभी अभी मरी है।

क्या वह आयेगा? वह यीशु से कहता है, "चलकर अपना हाथ उस पर रख, तो वह जीवित हो जायेगी।" मैं चाहता हुँ की आप इन जीवन और मृत्यु के नाटक की परिस्थिती में प्रवेश करें। लकवा का रोगी... दूसरी जगह पर उसके दोस्त छत को तोड कर उसे यीशु के सामने नीचे लटकाते हैं, ताकी वह चंगाई पा सके। यीशु कुछ विचित्र बात कहते हैंः "ढाढस बाँध, तेरे पाप क्षमा हुए।"

अब यह व्यक्ती, याईर उसे खेंचता है। "मेरी पुत्री अभी मरने पर है, चलकर अपना हाथ उस पर रख, तो वह जीवित हो जायेगी।"

वह जाने लगा, भीड उमड पड रही थी और एक स्त्री जिस की स्थिती बाईबल में इस तरह से बताई गयी है, "उसे लहू बहने का रोग था" - तलाकशुदा, अकेली, अपना सब माल दवाईयों पर व्यय करने के बाद भी उसे कुछ लाभ नहीं हुआ था और वह निराश थी, परन्तु उसने यीशु के बारे में सुन रखा था। उसने अपने मन में सोचा की यदी वह इस भीड को चीरती हुई किसी तरह यीशु तक पहुँच जाए और उसके वस्त्र का किनारा छू ले, तो वह चंगी हो जायेगी। बाकी सब बातों से वह हार चुकी थी। उस ने हर नुसखा अपनाया था परन्तु कुछ आशा न थी और वह इस भीड को चीरती हुई अपनी राह बना रही है।

मैंने दक्षिण कैलीफोर्निया के खेल के मैदानों में एक भीड के हडकंम्प के बारे में सुना है। क्या आप में से कोई कभी ऐसी भीड में गया है जो हडकंम्प मचा रही हो? आप समझ सकते हैं की इस गरीब स्त्री की क्या दशा होगी जब वह भीड में अपना रास्ता बना रही थी ताकी उस को छू सके, और वह उसे छू लेती है। और यीशु... (मत्ती को छोड दूसरी जगह पर कुछ भिन्न होता है, भिन्न होता नहीं है पर, जोडा गया है) कहते हैं, "मुझे किस ने छूआ?"

क्या तुम्हें "तारे का मार्ग" नहीं दिखता? मुझे एक वहाँ पर दिखाई दे रहा है जो कह रहा है, "उस ने पूछा की उसे किस ने छूआ है। हम एक दूसरे से टकरा रहे हैं। हम उस से क्या कह सकते हैं, बडी अजीब बात है... मेरा कहने का मतलब है की उसे क्या हुआ? हम सब साथ चल रहे हैं, वे हम पर गिर रहे हैं, हमें धक्का दे रहे हैं, हम से टकरा रहे हैं, और वह कहता है, 'मेरे वस्त्र को किसने छूआ?' तो क्या अब हमें जा कर पूछ ताछ करनी होगी की किस ने उसे छूआ? इस बात को तुम देखो पतरस।"

"साहब, हर एक जन हमें धक्का दे रहा है।" मैं जानता हुँ की यीशु क्या कहना चाहते थे। यदी मैं दूर दर्शन पर नहीं होता तो मैं आप को बताता की वह क्या कहना चाह रहे थे, परन्तु उन्होंने शांती से कहा, "नहीं।" यहाँ पर जो शब्द है वह *'दुनामिस'* है, जिस से अंग्रेजी शब्द "डायनामाईट" (यानी बारूद) निकला है; किंग जेम्स में जो अंग्रेजी शब्द बताया गया है वह "वरच्यू" (यानी बल, सामर्थ्य) - कितना कमजोर अनुवाद। "मुझे लगा की *दुनामिस"* अनुवाद में शक्ती "मुझ में से निकली है। किसी ने मुझे विश्वास के साथ छूआ है और मुझ में से बारुद निकला है। फिर उसे वह स्त्री मिली। उसने उसे द्ख कर कहा, "पुत्री" - फिर से एक बार किंग जेम्स में जो अंग्रेजी शब्द बताया गया है, "ढाढस बाँध" - "शांती" या "खुशी" नहीं। शब्द का अर्थ है "ढाढस।" उस व्यक्ती के लिये जिसे लकवा था, "ढाढस बाँध, तेरे पाप क्षमा हुए।" यह औरत जो विश्वास से काम करती है उस से उसने कहा, "ढाढस बाँध, तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है।"

मत्ती १४। तब उसने तुरन्त अपने चेलों को नाव पर चढने के लिये विवश किया की वे उससे पहले पार चले जायें ... (क्या मैं आप को विनोदहीन कर रहा हुँ?) उपदेश के लिये मुझे मंच तैयार करना है। वह अपने चेलों को नाव पर चढ कर समुद्र पार जाने को कहता है। वे प्रभु के निर्देश पर कार्य कर रहे हैं, उसकी इच्छा के अनुसार। उन्होंने यह नहीं कहा की, "नहीं हम नहीं जायेंगे।" वे आज्ञा न मानने वाले नहीं थे। वे वही कर रहे थे जो प्रभु उन से करने को कह रहा थाः नाव पर चढना, समुद्र में जाना। और एक तूफान से घिर जाते हैं।

अलमानोर झील मुझे गलील के समुद्र की याद दिलाती है। वैसा ही होते मैंने देखा है। पलों में शांत समुद्र एक बडे उपद्रव में बदल सकता है - तूफान। तूफान रात के समय आया। मैंने इस चित्र को बनाने की कोशिश करीः यीशु उस ऊँची लहरों पर चलते हुए और चेलों के भयभीत सफेद चहरे, क्योंकी वे इस तूफान के बीच...। पहाडीयों पर कुछ दिनों पहले जो तूफान आया था, मैं चाहूँगा की उस वातावरण को हम लोग एक बार यहाँ पर वापस लायें, ताकी हमें अंधेरी रात में तूफान की उपस्थिती का अनुभव हो। और अचानाक वे देखते हैं की पानी पर चलते हुए...

इस से पहले उन्होंने यीशु को कभी भी पानी पर चलते नहीं देखा था। हमारे लिये यह बात पुरानी हो गयी। हमें यह बात उस समय से सिखाई गयी है जब से हम संडे स्कूल जाते थे; पानी पर चलते हुए

यीशु। मुझे लगता है की "बीइंग देयर" जो अंग्रेजी फिल्म है, यीशु की इस कहानी पर आधारित थी, जहाँ पर चऔंसी गार्डनर जब राष्ट्रपती नियुक्त होता है तो पानी के किनारे चलता आता है। हम इसे सह लेते हैं।

...परन्तु बीच रात में उस नाव पर सवार हो कर देखीये और यीशु को पहले कभी पानी पर चलते देखा न हो। पानी पर यह भूत आता है। तूफान बहुत तेज़ है, परन्तु यह दूसरी बात क्या है, तूफान का साथी? यह क्या है जो तूफान के बीच में से हमारी ओर चला आ रहा है? तूफान के बीच से यीशु बोलता है, "ढाढस बाँधो।" शब्द *थारसी* है; "ढाढस बाँधो।" यह तीन बार हो गया।

चारः यूहन्ना १६। क्या आप इन्हें अपने दिमाग में याद कर रहे हैं? - क्योंकी मैं आज सफल नहीं रहूँगा यदी आप इस का अनुभव नहीं करेंगे - आप को इन पाँच परिस्थितीयों में से किसी एक में स्वंय को डालना है। यूहन्ना १६:३३: चेलों ने उस का साथ दिया, उसे अस्वीकार होते देखा, दर्द अनुभव किया, जब लोग तारीफ करते करते उसको ठुकराने लगे, क्योकी वह उनके सच को सामने ला रहा था - विशेष रूप से फरीसीयों को; वे ऊपर के कमरे में थे जब यीशु ने कहा, "संसार में तुम परेशानीयों का सामना करोगे।"

फिर वह कुछ एसा कहता है जो इस से भी अधिक विनाशकारी हैः "अब मैं तुम्हारे बीच में नहीं रहूँगा यानी शारीरिक रूप से, जैसे इस समय हुँ। मैं जाने वाला हुँ और इस संसार में तुम परेशानीयों का सामना करोगे।"

यहाँ पर वह चेले बैठे हुए थे जिन में वही योग्यता थी जो आप लोगो में है। इस उपदेश को सुन कर यह सोचना बहुत आसान है "बडे-समय की मसीहत" । अधिकतर समय मैं स्वंय को उपदेश देता हुँ क्योंकी जब मैं यहाँ पर खडा होता हुँ तो एक खिडकी बन जाता हुँ, जिस में से परमेश्वर का वचन रौशनी बन कर निकलता है और मुझ पर भी प्रभाव डालता है। और जब मैं प्रचार करता होता हुँ तो मेरे दिमाग का एक हिस्सा बीते स्पताह की ओर जाता है और मेरे कुछ कार्यों की बेवकुफी मुझे दिखाता हैः परमेश्वर की उपसेथिती को भूल जाना; इस सच्चाई को भूल जाना की परमेश्वर मेरा उपयोग आप से बात करने के लिये कर रहा है। और मैं एक नया मोड लेता हुँ। हर समय जब मैं इस तरह के उपदेश देता हुँ, तो मैं जब वहाँ जाता हुँ तो मैं इस बात को सोच कर काफी समय तक परेशान रहता हुँ क्योंकी इस उपदेश का भार और सच इतना अधिक है की मुझे लगता है शायद मैंने इसे सुनाने में कुछ कमी न करी दी हो, और यही बात मुझे परेशान करती है। पर कम से कम यह मुझ तक तो पहुँचा और मेरा यह भाग कहता है, "मैं अगले स्पताह वह गलतीयाँ नहीं करूँगा जो पिछले स्पताह करी थी।" आप भी ऐसा ही करीये। आप परमेश्वर के वचन को अपनाते हैं और यहाँ से जाते समय ऊंचे स्थान पर रहते हैं और फिर धडाम! आप चेलों की तरह हैं... धडाम! - आप तूफान से घिर गये हैं।

जो आज यहाँ रवीवार के दिन आप के पास है, इन चेलों के पास उससे बड कर था। उन के

पास परमेश्वर का वचन शारीरिक रूप में रहता था। पर उसने कह दिया की जैसा की इस समय तक था वैसा अब नहीं होगा, अब यह बैसाखी नहीं रहेगी। उन को एक अलग तरह के भविष्य का सामना करना पडेगा। मेरा कहने का अर्थ है की तूफान में उन लोगो ने अलग तरह का "अभी" देखा। इस समय वह उन्हें भविष्य की चेतावनी दे रहा है - "धर्मि पुरुष आनन्दित हो, आगे और परेशानीयाँ आयेंगी।" और वह उन के साथ नहीं रहेगा। और वह संसार जो उन को इस समय सता रहा है वह उन्हें और सतायेगा और वह कहता है, "आनन्दित रहो।" नहीं उस ने "आनन्दित रहो" नहीं कहा। उस ने एक तरह से *थारसी* कहाः "ढाढस बाँधो।" उस ने और कुछ कहा, परन्तु मैं इस पर केंद्रित रहना चाहूँगा।

अब अन्त मेंः प्रेरितों के काम २३। पौलुस को कहा गया की वह परमेश्वर का वचन रोम में जा कर सुनाये। जब आप पढते हैं तो पौलुस को पहचानना कठिन नहीं है। वह अपने आप में एक गर्व अनुभव करता है की परमेश्वर ने उसे चुना की वह गैर मसीही लोगों में जा कर वचन सुनाये - यहूदीयों को छोड सारे जाती के लोग - परमेश्वर ने केवल यहूदीयों को अपने परिवार में नहीं जोडा। उसने हर जाती के लोगों में से चुना, और संसार पर रोमी राज्य था, और वह इस खुश खबरी से शरमिन्दा नहीं हुआ क्योंकी यह बारूद है, "उद्धार के लिये परमेश्वर की शक्ति।" शैतान के राज का सब से बडा केंद्र कहाँ है? पौलुस इस बारूद को, उस समय के संसार के सब से बडे केंद्र में ले जायेगा। वहाँ जाते समय वह यरूशलेम से हो कर जायेगा और रास्ते में जो उसने उन के लिये तोहफे लिये हैं वह देते जायेगा और साक्षी भी देगा ताकी ये यहूदी भाई मुक्ती पा सकें क्योंकी वह उन से प्रेम करता है। परन्तु यह उपदेश अन्य जाती के लोगों के लिये है जिन का केंद्र रोम है।

वह जाता है। वहाँ पर भीड उस पर टूट पडती है, मार खाता है, एक रोमी सिपाही उसे बचाता है और फिर वह बंदीग्रह जाता है। फिर उसे पता चलता है की कुछ लोग उसे मार देना चाहते हैं। उस ठण्डी रात को वह इस बंदीग्रह में मरने वाला है और उसकी प्रचार सभा का अन्त होने वाला है, तब उसी समय परमेश्वर उस को दर्शन देते हैं और कहते हैं, "जैसे की तुम ने यरूशलेम में मेरी साक्षी दी थी उसी तरह तुम रोम में भी मेरी गवाही दोगे।" मैं अपनी तरफ से इस में जोडना चाहूँगा, "जैसा की तुम ने मेरी गवाही यरूशलेम में दी थी" - यही संकेत दिया गया है - "आज की रात चाहे तुम को कैसा भी लगे, मैंने तुम्हें बुलाया है, मैंने तुम्हें भेजा है, तुम अभी भी रोम में गवाही दोगे। मैं अधिकार रखता हुँ, यह भीड नहीं; यह रोमी सैनिक भी नहीं। बलकी, मैं...।" आगे मैं क्या कहूँ बाकी की कहानी हम सब जानते हैं, परमेश्वर उसे रोम पहुँचाने के लिये उस बंदीग्रह का प्रयोग करेगा। परन्तु परमेश्वर उसे दर्शन दे कर कहते हैं, "पौलुस, खुश रहो।" "अन्धकार में सीटी बजाओ"; पॉल रॉबर्टसन की तरह मुस्कुराओ; "हल्लेलूइया की मिर्गी" ले लो; "यीशु के लिये मुस्कुराओ"; "यीशु के लिये बुलबुले उडाओ"। मैं उम्मीद करता हुँ की जिन्होंने यीशु के बारे में हास्य चित्र बना कर उपदेश दिये हैं, पानी में बहा दिया है, मनुष्य के लिये अपमानजनक रूप से पेश किया है, वे एक स्त्री या पुरुष से विवाह कर के नरक भुगतें।

"परंम्पराओ ने परमेश्वर के वचन को पहुँच से दूर कर दिया है" उस जीवते परमेश्वर के वचन को दूर कर रहे हैं जो इतिहास के मंच पर आया था। उन्होंने उसे "मदिरा पीने वाला और भुक्खड" कहा।

यह सच नहीं है परन्तु उन्होंने उसे ऐसा इसलिये कहा क्योंकी वह पापीयों के साथ रहता था। इसी अध्याय में मत्ती का बुलावा है। उस देश के धार्मिक अधिकारीयों की नज़र में मत्ती सब से अधिक गिरा हुआ पापी था। वह रोमियों के लिये चुंगी लेता था, और ऊपर की कमायी से अपना घर चलाता था। यरूशलेम के यहूदी लोग किसी और से उतनी नफरत नहीं करते थे जितनी के रोम के लिये चुंगी लेने वाले से करते थे। कोई रोमी इस कार्य को नहीं कर रहा था - एक यहूदी व्यक्ती रोमियों के हाथ बिक चुका था और चुंगी ले कर अपना नफा कमा रहा था। मत्ती इस बारे में स्वंय कुछ नहीं बताता - परन्तु लूका बताता है। यदी आप को इसे खोजने में कुछ परेशानी है तो मैं बताता हुँ की कई जगह पर उसे "लेवी" कहा गया है, और कई जगह पर "मत्ती", वही व्यक्ती... (जैसे "शमौन जो पतरस कहलाता है") - वे बुलाते हैं और जश्न मनाते हैं।

यीशु वहाँ से निकले; वह चुंगी की चौकी पर बैठा था, और यीशु ने उस से कहा, "मेरे पीछे हो ले।" उस ने यह नहीं कहा की मुझे पुस्तकें ठीक करनी हैं। मुझे कुछ कार्य करने हैं। मुझे यह पैसा लेकर छुपाना है"। "वह सब कुछ छोड कर यीशु के पीछे हो लिया।" "समाज का सब से नीच व्यक्ती", यीशु चाहता है की वह उस के पीछे आये। उस ने यह नहीं कहा की, "मत्ती तू घर जा और अपना भेस बदल कर गिरजाघर में छुप जा और जब मैं वहाँ से निकलूँ तो तू एक धार्मिक व्यक्ती की तरह मेरे पीछे आ जा।" वह सीधे इस "नीच" व्यक्ती के पास जाता है...।

क्या हम देह और खून को बाईबल में ला सकते हैं? मूलाधार के लोग, चाहे वे मेरे बारे में जो कुछ भी सोचें, अपनी बेटीयों की शादी वे मुझ से करवाना चाहेंगे। जब मैं "मूलाधार के लोग" कहता हुँ, मैं उन का दुश्मन हुँ। यदी वे नहीं जानते तो मैं उन्हें बता रहा हुँ... शास्त्री। शास्त्रीयों ने अपनी धार्मिक्ता से जितने लोगों की जान ली है, उतनी जाने तो अमरीका के न्यायालयों ने नहीं ली होगीं। मैं उन से नफ़रत करता हुँ। मैं उन का न बदलने वाला दुश्मन हुँ। यदी वे मुझ से नफरत करते हैं, तो मैं प्रशंसा करता हुँ। परन्तु मेरे लिये उन के विचार चाहे जितने बुरे हों - वे मत्ती से शादी करने से पहले, अपनी बेटी की शादी मुझ से करेंगे।

...यदी आप उस व्यवहार को समझें जो मत्ति के प्रति उन लोगों में था, और यहाँ एक सच्चाई का प्रचारक आता है और मत्ति को उस के पाप के स्थान पर आ कर कहता है, "मेरे पीछे हो ले।" उस ने उसे बुलाया। वह जहाँ भी गया, पापीयों का दोस्त बन कर रहा। वह यरीहो जाता है, और वहाँ के सब से बडे पापी के घर खाना खाता है। उन्होंने उसे "मदिरा पीने वाला और भुक्खड" कहा, क्योंकी वह अच्छा समय व्यतीत कर रहा था।

वह कोई धार्मिक डोंगी नहीं था और न ही वह इन लोगों के लिये आया था... उस ने लकवे से मारे हुए व्यक्ति को यह नहीं कहा की, "खुश रहो। यीशु को एक छोटी सी मुस्कुराहट दो।" उस महिला से जो सेहत के साथ साथ अपना सब कुछ इतने वर्षों में बरबाद कर चुकी थी, उस ने यह नहीं कहा की, "महिला खुश हो जा।" "खुश हो जा प्यारी। मुस्कुराते रहो।" "यीशु के लिये मुस्कुराओ।" आप कह सकते हैं की मैं कलीसीया के साथ पला बडा हुआ हुँ। यीशु को जिस तरह से कुछ लोग दर्शाते हैं, यह

देख कर मुझे उल्टी आती है।

वह मनुष्य का मनुष्य था। उस ने पौलुस से कहा, "ढाढस बाँध"; यह नहीं की "खुश हो।" "ढाढस बाँध। मैंने तुझे बुलाया है। मेरे विरुद्ध यह सब क्या हो रहा है? मैंने तुझे बुलाया है। मैं तुम्हें भेज रहा हुँ और तुम इसे पूरा करोगे। तुम्हें इस समय ऐसा नहीं लग रहा होगा, परन्तु मैं अपने आप को तुम्हारे और इस के बीच में डालता हुँ और मैं तुम से कह रहा हुँ, "ढाढस बाँध। मैं तुझे यरूशलेम ले कर जाऊँगा और यरूशलेम से रोम।'"

यह कुछ दृष्य हैं। मैं जो "ढाढस" के बारे में आप को बता रहा हुँ, उसे ठोस बनाने के लिये ... आप को पन्ने पलटाने की आवश्यक्ता नहीं, परन्तु यदी देखना चाहते हैं तो, आप उत्पत्ती ३५ निकालीये। पुराना नियम यूनानी में लिखी गयी है जिस का अनुवाद यीशु के आने से कई युगों पहले हो चुका था, और यही वह बाईबल है जिसे यीशु पढते थे और चेलों ने प्रचार किया था। यह पहले युग की यहूदीयों की बाईबल थी और यही मसीहों की बाईबल बनी - पुराना नियम जिस का यूनानी से अनुवाद किया गया। आप यूनानी बाईबल पढ सकते हैं, हमारे पास कुछ लीपीयाँ हैं। यूनानी में यदी हम उत्पत्ती ३५:१७ को देखें तो जब राहेल, जो याकूब की बेहद पसन्दीदा पत्नी थी, अपने दूसरे पुत्र को जन्म दे रही थी (युसुफ उसका पहलौटा पुत्र था)। उसे बहुत पीडा हो रही थी और उसकी दासी ने राहेल से कहा, "मत डर" - "ढाढस बाँध, तू इस बच्चे को जन्म देगी", कहने के बजाये यह उलटा तरीका था। उसने ऐसा ही किया। वह मर गयी - बिन्यमीन के जन्म की दुख भरी कहानी, जिस ने याकूब की दृष्टी में बिन्यामीन को और अनमोल बना दिया; और अपने भाईयों को यूसुफ से मिलाने की अर्थपूर्ण कहानी, और अपने भाईयों को चेतावनी देने के लिये की जो उन्होंने किया है वह गलत है।

परन्तु यूनानी बाईबल में वही शब्द का प्रयोग हैः "ढाढस बाँध।"

अन्त के दिनों में जो होने वाला है उसकी भविष्यवाणी सपन्याह भविष्यवक्ता ने करी थी... अन्त के दिनों में क्या होगा, परमेश्वर कब आयेंगे, और यीशु प्रभुओं का प्रभु बन कर उन के दिल के दर्द और आँसूओं को कब पोछेंगे। और उस भविष्यवाणी के बीच में सपन्याह के तीसरे अध्याय के १६ आयत में, परमेश्वर की ओर से भविष्यवक्ता कहता है, "मत डर।" यह अंग्रेजी का अनुवाद है। यूनानी बाईबल में आज्ञा दी गयी हैः "ढाढस बाँध" - क्योंकी परमेश्वर इसे आप के लिये पूरा करेगा।

मैं जो कहना चाह रहा हुँ वह यह है की "खुश रहो" शब्द का प्रयोग नहीं है और ना ही "शांती रखो" शब्द है। जो शब्द प्रयोग किया गया है वह "ढाढस" है।

निर्गमन १४, आयत १३, वह वचन है जिस के बारे में मैं कुछ कहूँगा ताकी आपकी याददाश्त

ताजा हो जाये। मिस्र से निकल कर इस्राएली भाग रहे हैं। वे लाल समुद्र के पास खडे हैं और फिरौन की सेना उन के निकट आ गयी थी और मूसा ने अपनी छडी को उठाया और कहा, "डरो मत, खडे खडे वह उद्धार का काम देखो जो यहोवा आज तुम्हारे लिये करेगा।" तब उसने लाल समुद्र को दो भागो में कर दिया और वे स्थल ही स्थल हो कर निकल गये और फिरौन उन का पीछा करता है और डूब जाता है। इस बात में एक मज़ाक है जिसे पढने से मैं कभी नहीं चूकता: परमेश्वर मेरी तरह का परमेश्वर है... क्योंकी लहरों को उन के ऊपर डालने से पहले वह उन के रथों के पईयों को तोड देता है। मेरा कहने का मतलब है की वे इस्राएलीयों के पीछे भागे चले आ रहे थे, ये लोग चल रहे हैं, वे रथों पर हैं, पानी हट गया, वे नहीं जानते की कैसे हुआ परन्तु वह सूख गया। जैसे ही वे बीच में पहुँचे उनके पईये टूट गये। यह मेरी तरह का परमेश्वर है। फिर लहरें उन पर आती हैं।

आप यह सोच सकते हैं की ढाढस का नतीजा खुशी हो सकती है, परन्तु मूसा ने यह नहीं कहा की, "खुश रहो" - "फिरौन की सेना की ओर देखो और पानी की ओर देखो। आप कितना अच्छा तैर सकते हैं यह मैं नहीं जानता परन्तु खुश रहो।" मैं मृत्यु की ओर ले जा रहा हुँ...

क्या इससे आप को बहुत से मसीही प्रचारकों की याद नहीं आती? आप रवीवार को आते हैं, धार्मिक चहरा बनाते हैं और आप मुस्कुराते हुए दुर्बलता से धार्मिक आवाज को सुनते हैं जो कहती है, "प्रभु ने कहा, 'खुश रहो'"। और मैं उस व्यक्ती को ढूँढने लगूँगा की मेरे बर्फ के ट्रक में किसे बिठाऊँ। "खुश रहो" का जीवन से कुछ लेना देना नहीं है: उसने ऐसा नहीं कहा। उसने कहा, "ढाढस बाँध"

मैं २२ वर्षों से आप से कहता आ रहा हुँ, विश्वास कोई चमतकार नहीं है। परमेश्वर के आने से पहले से विश्वास था और उसने आकर एक विशेष तरह के विश्वास को बना दिया। मैंने इस बारे में इतनी बार बताया है की मुझ से बेहतर आप प्रचार कर सकेंगे। परमेश्वर ने सही समय पर अपने बेटे को भेजा। यूहन्ना कहता है, "किसी व्यक्ती ने परमेश्वर को नहीं देखा, मसीह ने उसे प्रगट किया है," श्रुतीभाष्य, "वह उसे परदे के पीछे से निकाल कर लाये और सब के सामने देखने के लिये रखा।" और अनन्त वचन - वह जो परमेश्वर के साथ था और जो हमें परमेश्वर के बारे में सब कुछ बता सकता था, और वह परमेश्वर जिसे इफिसियों की पत्री में, हमें वचन के द्वारा आशिर्वाद देने वाला कहा गया है - वह जीवते वचन के रूप में आ कर जीवन के वचन देता है।

यह शब्द इतिहास के मंच पर उस समय आये जब पूरे संसार में एक ही भाषा राज कर रही थी। मैंने यह बात आप से कई बार कही है - अंग्रेजी में "पोस्ट" शब्द के कई अर्थ हो सकते हैं: "नाश्ते में खाने वाला अन्न", "चिट्ठी डालने वाला डिब्बा", "पत्र को डिब्बे में डालना", "लकडी की बाड"। हम इस छत के तले हैं, परन्तु यह नहीं गिर रही है। यदी में गिरते पत्तों के तले रहता, मैं यहाँ फिर से "तले" शब्द का प्रयोग करूँगा। यूनानी में, "किसी वस्तु के नीचे खडे रहना जो गिरने वाली नहीं है" और "किसी वस्तु के नीचे खडे रहना जो गिरने वाली है", के लिये अलग शब्द प्रयोग होता है। यूनानी भाषा में जितनी यथार्थता है, उतनी किसी और भाषा में नहीं है और परमेश्वर...

(मैं अर्थ ढूँढ रहा हुँ - शब्दों के लिये... उस देश में जहाँ निमरोद के समय में भाषाओं का उपद्रव बन गया था...), परमेश्वर अब एक समय चुनता है ताकी वह परदे के पीछे से उस को भेजे जो हमें परमेश्वर के बारे में वह सब बताये जो हमें जानना है और उसे मंच पर लाये जहाँ पर ऐसी भाषा बोली जा रही है जो मनुष्य के दिमाग पर बैठी हुई थी। वह खोज कर चुनता है की कौन से शब्द का प्रयोग करना है। यूनानी में *लोगोस* शब्द का प्रयोग हुआ है; जो अज्ञात परमेश्वर और मनुष्य के बीच में ऐक अज्ञात बिचौले को बताता है। वह शब्दों को चुनता है, "मैं तुम्हें बताऊँगा की *लोगोस* कौन है और तुम्हें दिखाऊँगा।"

विश्वास भी था। यदी मैं मार्स हिल में त्तवज्ञानी होता, तो मैं विश्वास के बारे में बताता - *पिस्तिस*। *पिस्तियो* यूनानी क्रियापद है; इसे क्रियापद होना चाहिये, संज्ञा नहीं। *पिस्तियो*- हम ने क्रियापद बनाया "विश्वास करना" जिस में मस्तक है। इस से *पिस्तियो*का अर्थ नहीं आता। *पिस्तियो* क्रियापद था, जिस में "कार्य", "विश्वास पर आधारित", "साहस में सहना" था। इस में इच्छा ग्रस्त है; इस में भावना ग्रस्त है; इस में पूरा इंसान ग्रस्त है। आप ने *पिस्तियो* का प्रयोग उस समय किया जब आप ने उस बात पर साहस के साथ उस विषय पर कार्य किया जिस पर आप विश्वास करते थे ताकी कार्य बना रहे।

मैं हर सुबह गम्भीरता में विश्वास के साथ उठता हुँ। यदी मेरे पास सिद्धांत नहीं है, परन्तु मुझे इतना अनुभव है की यदी मैं बिस्तर पर से पैर नीचे रखता हुँ तो वे छत को नहीं छूऐंगे। मैं जानता हुँ की वे फर्श को छूऐंगे, और मैं उसके अनुकूल काम करता हुँ। लेकिन विज्ञान के क्षेत्रों में कम भरोसा करता हुँ, मैं आज यहाँ पर विश्वास जता कर आया हुँ। जब बत्ती हरी होती है तो मैं इस विश्वास से कार्य करता हुँ की दूसरी ओर बत्ती लाल है और उसे देख कर लोग रुक जायेंगे। मैं विश्वास से कार्य करता हुँ, और हर चोराहे पर मैं, इसे साहस के साथ रोके रहता हुँ, की वे लाल बत्ती को देख कर रुक जायेंगे और मैं हरी बत्ती देख कर जाता रहूँगा। आपका विश्वास के बिना जीना नमुमकिन है। हर कार्य जो आप करते हैं, वह विश्वास और साहस पर आधारित है। मैं किसी कक्षा का पदार्थ विषयक प्रध्यापक होने के नाते यह कह सकता हुँ, "आप को केवल वस्तुऐं पसन्द हैं, आप चाहे जो विश्वास की वस्तु को चुनें। आप स्वभाव से विश्वासी हैं। विश्वास करना जीवन का निष्कर्श है: किसी पूर्व पक्ष के साथ कार्य करना और साहस के साथ टिके रहना - और जो आप चुन सकते हैं पर आप उसे चुनेंगे जिस पर आप विश्वास करते हैं, उस पर साहस करते हैं और उसी रीती से कार्य करते हैं।

परमेश्वर कहता है, 'आप के पास चुनने के लिये बहुत कुछ हैं, आच्छा और बुरा, परन्तु मुझे वह शब्द पसन्द है - *पिस्तिय,* और मैं इसे अपनाऊँगा।" विश्वास *पिस्तियो* है; बाकी के सब कार्य केवल "विश्वास" है, थोडा "विश्वास"। मैं इस शब्द को परिणित करूँगा और मैं उस विश्वास का स्पष्ट अर्थ बताना चाहूँगा की यदी इस का प्रयोग करने से हमें अनन्त जीवन मिलता है, इसे परमेश्वर की अनुमती मिलती है, वह आप को "सब से पसन्दिदा सूची' में रखेगा और वह इस शक्ति को परमेश्वर से आप तक बहायेगा। कोई और कार्य, चाहे आच्छा हो चाहे बुरा, वह आप को नहीं बचायेगा। मेरी, आज के विश्वास

के प्रचारकों के साथ जो लडाई है वह इसलिये है, क्योंकी वे "परमेश्वर में विश्वास" के बजाये "विश्वास में विश्वास" पर टिके हुए हैं।

मैं "विश्वास में विश्वास" पर यकीन कर सकता हुँ। इस ब्रहमाण्ड में कुछ ऐसा है, जो परमेश्वर के मन से निकलता है और विश्वास को पूर्वपक्ष करता है। यह अच्छा होगा की हम निराशावादी बनने के बजाये आशावादी बनें। यह अच्छा है की हम गिलास को आधा खाली देखने के बजाये आधा भरा हुआ देखें। परन्तु इससे आप की रक्षा नहीं होगी, और "विश्वास में विश्वास" प्रचार करने वाले प्रचारकों के पीछे लोगों की भीड लगी हुई है जो चाहते हैं की विश्वास उन के लिये कार्य करे।

रक्षा करने वाला विश्वास परमेश्वर में विश्वास है। विश्वास कहता है, "जब मैं जानलेता हुँ की परमेश्वर ने इसे कहा है, तो मैं अपनी देह को उस पर टाँग लेता हुँ और परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर कार्य करता हुँ, चाहे जो परिस्थिती हो और मैं कार्य करता रहता हुँ। मैं इस बात पर विश्वास करता हुँ, "हमेशा के लिये, हे प्रभु, आप का वचन स्वर्ग में स्थापित है"; "परमेश्वर कोई मनुष्य नहीं की झूठ बोले" - जब वह कहता है, तो करता है। इसलिये जब मैं परमेश्वर की पुस्तक में इसे देखता हुँ तो मैं अपने शरीर को परमेश्वर के कहे अनुसार काम करने के लिये टाँग देता हुँ क्योंकी मैं विश्वास करता हुँ की जो परमेश्वर ने कहा वह सच है, और परमेश्वर इसे ठोस ठहरायेगा, और मुझ में साहस है की चाहे जो परिणाम निकले मैं इसे करूँगा। जब परमेश्वर किसी को वह करते हुए देखता है..., यह वही विश्वास है जो रक्षा करता है। यह वही विश्वास है जो उसका अनुग्रह हम में डालता है ताकी हम शक्ति पा सकें, वह हमारे संग रह सके और हमारा मार्गदर्शन करे। कोई और कार्य, चाहे जितना भी अच्छा क्यूँ न हो, परमेश्वर से नहीं जोडता। केवल विश्वास का कार्य परमेश्वर से जोडता है।

अब हम इन में से किसी परिस्थिती से हो कर जाते हैं। आप कहाँ बैठते हैं? जो तीसरे पक्ष के लोग थे वे इस लकवा के मारे व्यक्ती के मन की स्थिती के बारे में कुछ नहीं जानते थे। आप में से जो सचेत हैं और जब आप के जीवन में कुछ भी अच्छा नहीं होताः बीमारी आती है या कुछ भी बुरा होता है, आप का पहला प्रश्न होता है - और शैतान जानता है की आप इसे अवश्य पूछेंगे - पहला प्रश्न होता हैः "मैंने क्या गलती करी है?" और पाखण्डी को छोड कर... (मैं नहीं समझता की हमारे बीच में कोई है), हम जानते हैं की हम ने अधिक कुछ नहीं किया है; हम पीछे रह गये हैं। हमारे मन ही मन में जब परिस्थितीयाँ हमें घेर लेती हैं... और इस जगह यह व्यक्ती जो लकवा से पीडित था, उसके मित्र चाहते थे की वह चंगाई पाये; परन्तु यीशु जो सब बातों को जानता है, गहराई से एक समस्या को बताता है।

वह उसकी गहराई तक पहुँचा। शैतान ने उसके साथ उस समय मुलाकात करी जब वह शारीरिक रूप से कमजोर था। मेरा कहने का मतलब है की अपने आप को यीशु की जगह पर रख कर देखो। यूहन्ना ने उन्हें बपतिस्मा दिया ही था की स्वर्ग से एक कबूतर उतरता है और स्वर्ग से एक आवाज आती है, "यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिस से मैं बहुत आनन्दित हुँ।" पवित्रात्मा उसे जंगल में ले जाता है ताकी उसकी परिक्षा ले। क्या वहाँ पर आप मेरे साथ हैं?

अब यहाँ पर यह व्यक्ती है जो लकवे का मारा हुआ है। यीशु जानते हैं की वे उसको चंगा कर सकते हैं। वह कुछ और देखते हैं - दोष, आत्मा में कमी, पिछडे हुए ज्ञान में आप की परिस्थिती को जोडते हुए। उन्होंने अधिक समय नहीं बिताया था इसलिये वे परमेश्वर के अनुग्रह के नाप को नहीं जानते थे।

मैं उस समय को याद करता हुँ जब मैं बच्चा था और साक्षी देने की सभा में गया था। यह साक्षी की सभायें होती थीं और मूर्ख व्यक्तीयों के विचार सामने आते थे और वहाँ पर यह ९ वर्ष का बच्चा था। वह रुक रुक कर कूदता और कहता, "मैं परमेश्वर का धन्यवाद करना चाहता हुँ की उसने मुझे बचाया, मेरे जीवन में पवित्रात्मा को भरा और मुझे पाप से भरे जीवन से छुटकारा दिया!" नौ वर्ष का बच्चा। हो सकता है उसने किसी मुर्गी के पंख तोडे हों या कुछ इस तरह की बात करी होगी।

आप को थोडा जीवन बिताना पडता है और चेतना रखनी पडती है और कुछ परेशानीयाँ झेलनी पडती है ताकी पता चले की शैतान आप की स्थिती पर कैसे हावी होगा... और यहाँ पर कई लोग जो बैठ कर मुझे सुन रहे हैं, आप परमेश्वर पर विश्वास नहीं कर रहे हैं, क्योंकी आप जीवन में बहुत परेशानी का अनुभव कर रहे हैं। यीशु जानता है की ९०% विश्वास, साहस है - परमेश्वर के वचन को मानना और अपने शरीर को उस पर टाँगना, चाहे जो हो जाये, साहस है; इसलिये यीशु ने जड से समस्या को समझाः वह दोष जो हम सब में है। "तेरे पाप क्षमा हुए; ढाढस बाँध।" "तुम्हारे पाप" - उसने यह नहीं कहा की तुम ने कोई पाप नहीं किया; उसने कहा, "तेरे पाप क्षमा हुए।"

मैं वचन का सच्चा प्रचारक हुँ। मैं पूरी कोशिश करता हुँ की जो लोग मसीह का प्रचार करते हैं वे किसी भी तरह शैतान को रास्ता न दें। यदी वे सफल नहीं होते तो बडी कठिनाई हो जायेगी, क्योंकी उन को दुबारा अवकाश नहीं मिलेगा। मैं उन के साथ बहुत सकती से पेश आता हुँ, भय का भी प्रयोग करता हुँ ताकी वे पीछे न हटें। एक बार जब वे कर लेते हैं, तो मैं इस उपदेश को सच्चाई से पेश कर सकता हुँः परमेश्वर वह परमेश्वर है जो दुबारा अवकाश देता है। परमेश्वर वह परमेश्वर है जो दुबारा से वही अवकाश नहीं देता, इसलिये मैं असफल व्यक्तीयों से कहता हुँः अपनी असफलाताओं का समाधान देकर शैतान के पात्र मत बनों ताकी "काले" को "सफेद" कर सको। अपनी असफलता का सामना करो। उसका सामना करने के बाद, "तेरे पाप क्षमा हुए।" "वह जो पापों को छुपायेगा, वह तरक्की नहीं कर सकता; परन्तु तुझ में पापों की क्षमा है," जैसे की पुराने नियम में भविष्यवक्ता ने प्रार्थना करी थी।

और यह लकवा का मारा हुआ व्यक्ती, हम नहीं जानते की कौन से पाप के कारण उसे लकवा मार गया था और वह शारीरिक रूप से पीडित था। यीशु जानते थे की यह समस्या भीतर से है इसलिये उन्होंने उस तरह से कहा जैसे की कलवरी के समय से आज तक वह करते आ रहे हैं। और जब आप दोष से हारे हुए हैं तो वह आज भी आप से कहना चाहता हैः "ढाढस बाँध" - आत्मा में अपने आप को उठाओ। "तेरे पाप क्षमा हुए।"

ये निर्बुद्ध कहते हैं, "यह ईश्वर की निन्दा कर रहा है। केवल परमेश्वर ही पापों को क्षमा कर सकता है।" आप सही कहते हैं, और यीशु परमेश्वर था। परन्तु यीशु कहता है, 'कहने में क्या आसान है, यह कहना की 'तेरे पाप क्षमा हुए' या 'अपनी खाट उठा और चल फिर'? (उसके पापों को क्षमा करना या उसके टूटे निर्जीव शरीर को चंगा करना?) बताने के लिये की मेरे पास यह शक्ती है, अपनी खाट उठा और चल फिर।" उसने उसे चंगा किया। सब से महत्वपूर्ण बात यह है की उसने अपने आप को उसके मध्य डाला जो ढाढस की क्षमता को नष्ट कर रहा था। आप को किसी और की आवश्यक्ता नहीं है। एक गीत है जो इस प्रकार से है, "मुझे मिल गया" - आप को किसी और के क्षमा की आवश्यक्ता नहीं। उसकी क्षमा काफी है। दूसरो की क्षमा पाना बुरा नहीं है, परन्तु आज वह उन सब से कह रहा है जो अपनी परिस्थितीयों में गिर चुके हैं, वह समस्या की तह तक जाता है। "तेरे पाप क्षमा हुए।"

यदी हम उस औरत की ओर देखें - वह डरी हुई है। वह अपना रास्ता बनाती है; उसने वह किया जो विश्वास ने करने को कहा। उसने देखा था, उसने सुन रखा था की वह बिमारों को चंगा करता है। "यदी मैं उसको छू लूँ तो मैं चंगी हो जाऊँगी।" यह विश्वास है, विश्वास के साथ कार्य है, क्योंकी आप इस निर्बल औरत को भीड में अपना रास्ता बनाते हुए देखते हैं। "मुझे किस ने छुआ?" और यह मूर्ख चेले जवाब देते हैं, "इस से क्या मतलब की आप को किस ने छूआ?"

"मुझ में से शक्ति निकली है। बारूद!" वह उसे देखता है: "बेटी अपना ढाढस मत खो। जिस वजह से तुम यहाँ आयी हो वह तुम्हें चंगा करेगा। चाहे लोग कुछ भी कहें" - कुछ लोग यह सुन कर कहेंगे, "निर्बुद्ध औरत।" "बेटी, तुम ने जो भी किया, तुम्हारी जो भी आवश्यक्ता के अनुकूल जो विश्वास में तुम ने मुझे छूआ है, तुम ऐसा ही करते जाओ ताकी तुम चंगी हो जाओ।" आप में से कई लोगों के पास ढाढस होगा परन्तु बीच में टूट गये होंगे। जब तक आप दुबारा ढाढस नहीं बाँधते आप वहाँ तक नहीं पहुँच पायेंगे।

तूफान के बीच - यह मुझ से सब से कडी तरह बोलता है। मैं विचलित हो जाता हुँ जब परमेश्वर मुझे उस जगह भेजता है जहाँ वह तूफान भेजना चाहता है। दूरदर्शन को चाहिये की मौसम की जानकारी देने से पहले वे यह गीत गाये, "प्रवर्तक, यीशु के साथ मुझे जोडो।" वह कभी नहीं चूकता; वह हमेशा मुझे तूफान में भेजता है। यदी परमेश्वर जानना चाहता है की मैं कहाँ हुँ तो वह उसकी... उसकी क्षमता है की मुझे तूफान में पाता है। यहाँ पर रसिकता एक बात बताती है। वह बात साफ है।

आप में से कितनों ने यह अनुभव किया है की जब आप ने वह किया जो परमेश्वर चाहता था की आप करें, और आप परेशान हो गये? मैं आप के हाथ देखना चाहता हुँ। वह हम सब के लिये यह कैसे करता है? अती गम्भीर। परमेश्वर हम सब को तूफान से घिरा हुआ पाता है। मैं विफल हो जाऊँगा यदी आज आप इन में से किसी के साथ नहीं जुडते। उस लकवा के मारे व्यक्ती के जैसे, शैतान वहाँ था। हर तूफान में मैं बहुत कठिनाई की अपेक्षा करता हुँ। मैंने इसी तरह अपने जीवन की भावनाओं को संम्भाला है। मैं

बहुत कष्ट की अपेक्षा करता हुँ; और भीतर से इस कष्ट से निपटने के लिये तैयार रहता हुँ जिस से जब कष्ट आता है तो वह उतना कठिन नहीं लगता जितना की मैंने अपेक्षा की थी। इस से मेरा संतुलन बना रहता है - परन्तु यह विश्वास से भरा जीवन नहीं है।

तूफान बहुत बुरा होता है - परन्तु यहाँ यह दानव है, यह भूत। यीशु, लहरों को शांत कर के नाव पर जा कर क्यूँ नहीं बेठे? वह ऐसा नहीं कर सकते थे। चैनल ४० इसी तरह दर्शाता - हर मसीही एक तूफान में। आप यह आशा करेंगेः यीशु, महिमा में, हैलीकाप्टर में उडता हुआ आयेगा, उसके पंख शांत हो जायेंगे, लहरें। और अब हम शांती के वातावरण में हैं, वह बैठ जाता है और कहता है, "खुश हो जाओ।" वह इस भूत के रूप में प्रगट होता है - तूफान से भी भयानक। "अरे यह आप हैं! आप ने बताया क्यूँ नहीं?" मेरा कहने का मतलब है, मैं तूफान में मुक्का मार कर अपना रास्ता बना रहा हुँ; अगर यीशु सामने आते हैं तो मैं उन को भी घूसा मार सकता हुँ। क्या आप मेरे साथ हैं?

वह आप को कहीं नहीं भेजेगा, केवल वह यह बताना चाहता है की वह तूफान का साथी है और तूफान से बडा है। पतरस ने कहा, "यह भूत है!" - (उसका आत्मिक साहायक)। "वह क्या है?" "अरे यह तो भूत है!" और यीशु ने कहा, "ढाढस बाँधो, यह मैं हूँ" - तूफान के बीच में उसने उन्हें भेजा।

यदी आप ने पाप किये हैं, तो उसने उन्हें क्षमा कर दिया है। यदी किसी परिस्थिती से आप परेशान हैं, तो आप वह करते जाईये जो कर रहे थे। आगे बडते जाईये! आप का विश्वास आप को चंगा करेगा। यदी आप तूफान में हैं और वह और भी भयंकर होता जा रहा है, तो उसके वादे को याद करीये, "मैं न कभी तुम्हें छोडूँगा।" चाहे जो समस्या आये, वह उस से बडा है, और वह उपस्थित है।

भविष्य। वह कहता है, "मैं तुम्हारे साथ रहूँगा और यह संसार तुम्हें परेशानीयाँ देगा।" वह फिर से अपने आप को बीच में डालता है। "ढाढस बाँधो क्योंकी मैंने संसार को जीत लिया है।" वह कलवरी से बस कुछ दिन की दूरी पर हैं।

विजय? उसने मृत्यु, नरक और कब्र की चाबी छीन ली है; परदे को ऊपर से नीचे तक फाड दिया है ताकी हम परमेश्वर तक पहुँच सकें, और उसने संसार पर विजय पाया है। इस संसार में कोई एसी वस्तु नहीं है जो परमेश्वर के उस भक्त पर हावी हो जाये, जो मसीह में हैं।

आप में से कितने - मैंने यह आप से कई बार पूछा है - आप में से कितनें हैं जो आज की समस्या से बे हाल हो गये हैं? हमेशा आने वाला कल रहा है - कल क्या होगा? "जैसा तुम्हारा दिन वैसी तुम्हारी शक्ति होगी।" "बुराई ऊतनी है जो आज के दिन के लिये काफी है" यह बाईबल का निर्देश है। चाहे कल जो हो जाये, जैसे की एक पुराना गाना है, "मुझे कल का नहीं पता, परन्तु मुझे यह पता है की कल किस के हाथ में है और मैंने उसका हाथ थामा है।" "ढाढस बाँध" ... मैं नहीं जानता की आज जो

मुझे सुन रहे हैं वे कल क्या अनुभव करेंगे, हो सकता है वे टूट जायें। आप आज की समस्या से नहीं टूटते; हमेशा आने वाले कल की समस्या - के बारे में सोच कर परेशान होते हैं... कल क्या होगा। "ढाढस बाँधो क्योंकी मैंने संसार को जीत लिया है।" पौलुस की तरह परमेश्वर ने आप को बुलाया है, और जब तक वह आप को घर नहीं ले जाता तब तक उसने जो करने के लिये बुलाया है: "जिसे परमेश्वर बुलाता है, उसे शक्ती भी देता है।" और जैसा की परमेश्वर ने पौलुस से कहा की ये परिस्थितीयाँ कुछ महत्व नहीं रखतीं। परमेश्वर महत्व रखता है; और "जैसा की तुम ने यरूशलेम में गवाही दी, वैसे ही रोम में भी देना।"

मैं आप से कुछ कहना चाहता हुँ। जो भविष्यवाणीयाँ क्लैरा ग्रेस ने मुझे दीं थी वे पूरी हुई हैं जिस से मैं इस सच का सामना कर पाया हुँ की यदी मैं सही हुँ तो बाकी सब कुछ अपने आप होगा। हम ने चमत्कारों को चखा है।

कई लोग तो पार कर चुके हैं। मैंने यह कहानी कई बार कही है इसलिये आज दौहराना नहीं चाहता, परन्तु वह अन्तिम प्रतिज्ञा "खुशी के पल" अभी पूरी तरह से नहीं हुई है, न ही चमत्कार हुआ है। जब मैं "वादी से निकल कर आया" तो मैं "शांती के स्थान" पर पहुँचा, दुनिया खुल गयी और हम "संसार में मार्ग दिखाने वाली आवाज" बन गये। "चमत्कार" अशायराबानी की मेज़ पर हुए हैं, परन्तु उस तरह से नहीं जैसा की उसने भविष्यवाणी करी थी। और वह "खुशी के पल", मैं अपने डॉक्टरों और मेरे दुश्मनों और हर किसी से कहना चाहूँगा की, जब तक मैं सच्चा हुँ - मेरा कार्य अभी पूरा नहीं हुआ है। आप का पादरी कहीं नहीं जा रहा, क्योंकी हमें बहुत कुछ करना है।

उन लोगों के लिये जिन्हें परमेश्वर ने उस समय बुलाया है जब परिस्थितीयाँ बिगडती जाती है, और यदी वे प्रचार को पूरे मन के साथ करते हैं, तो आप का कार्य भी उतना ही मुख्य है जितना की मेरा। जैसे की दाऊद ने कहा है, "जो लोग उस के साथ रहते हैं वे वही प्रतिफल पाते हैं जो उन लोगो को मिलता है जो लडाई के मैदान में जा कर लडते है।" उन के लिये जो इस प्रचार में परमेश्वर के बुलाये जाने पर आये हैं, हम - हमारा कार्य अभी पूरा नहीं हुआ है। मैं जानता हुँ की हम में से कई ऐसे हैं जिन्होंने अपना कार्य पूरा कर लिया है और प्रतिफल पा कर लडाई का मैदान भी छोड चुके हैं, परन्तु आप किसी और बात के लिये परमेश्वर से मल युद्ध कर सकते हैं।

यहेजकेल को और १४ वर्ष मिले और ये वर्ष उसके जीवन के सब से अच्छे वर्ष थे। जब भविष्यवक्ता ने बताया की वह मरने वाला है, तो उसने अपना मुख दिवार की ओर फेरा और परमेश्वर से विनती करी की वह उसे कुछ और समय दे। और महान राजा यहेजकेल को परमेश्वर ने १४ वर्ष अनुग्रह पूर्वक दिये, क्योंकी वह इसलिये जीना चाहता था की वह परमेश्वर के कार्यों को कर सके, ये वर्ष उस के जीवन के सब से अच्छे वर्ष थे।

"जिसे परमेश्वर बुलाता है, उसे शक्ति भी देता है।" मुझे हार मानने वाले बिलकुल पसन्द नहीं, क्योंकी हार मानने से प्राणों को गवा सकते हैं, क्योंकी हार मानने का अर्थ है की ढाढस का न होना, और

ढाढस के न होने से विश्वास टूट जाता है।

आप कर सकते हैं। इसलिये हर वर्ष हम कहते हैं: "हम १९९८ को पार कर आये हैं!" "जिसे परमेश्वर बुलाता है, उसे शक्ति भी देता है"; और पौलुस, जब अपनी परिस्थिती से झूझ रहा था तो परमेश्वर का वचन उसे तसल्ली देता है। आज आप समझ रहे हैं - आप चाहे जैसी परिस्थिती से झूझ रहे हों - क्योंकी उसी परमेश्वर ने कहा है, "परमेश्वर की सारी प्रतिज्ञायें उसके नाम में हाँ और आमिन हैं।" और जिस के लिये उसने तुम्हें बुलाया है वह उसे पूरा करेगा, चाहे जो परिस्थिती हो।

इन पाँच स्थानों में से हर एक में: लकवा का मारा हुआ व्यक्ती; वह औरत; तूफान; उस ऊपर के कमरे में भविष्य का डर और यीशु का चला जाना; और इस बात का डर की आप के बुलाये जाने को शैतान बिखरा देगा - उपदेश एक ही है जो मैं २२ वर्षों से कहता आ रहा हुँ: ढाढस। ढाढस रखो! अपने आप को संम्भालो।

विश्वास परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं को पूरा करता है। दोष आप को नष्ट करने के लिये नहीं है; निराशा आप को नष्ट करने के लिये नहीं है; परमेश्वर की सेवा करते में जो तूफान आते हैं - तूफान का साथी यीशु है जो उसे समय आने पर शांत करेगा और उसे चमत्कार में बदल देगा जैसा की उसने पतरस के साथ किया, जो पानी पर चलने लगा - जो किसी और आदमी ने नहीं किया था। संसार को जीत लिया गया है और "पूरा करने वाला" उसे पूरा करेगा.. जब तक पौलुस - कई वर्षों के बाद उस बंदीग्रह में जहाँ ये उपदेश आया है - कह सकता था, "मेरे जाने का समय करीब आ गया है और मैंने अच्छी लडाई लडी है, मैंने विश्वास को रखा है, मैंने अपनी दौड पूरी करी है।" वह परमेश्वर की प्रतिज्ञा के सच की साक्षी दे सकता था।

नये नियम में एक और जगह पर यह शब्द *थारसी* का प्रयोग किया गया है: मरकुस १०। यीशु ... (इस का प्रयोग यीशु के अलावा और कोई करने जा रहा है। जितनी बार यीशु ने प्रयोग किया था उतनी ही बार।)

एक अन्तिम बार मरकुस १०। यीशु फिर भीड से घिरे हुए हैं और एक अंधा व्यक्ती भी साथ है - जन्म से अन्धा। बरतिमाई चिल्ला रहा है। उसने सुन रखा था की यीशु वहाँ पर है। और इस अन्धे व्यक्ती की व्याकुल्ता को देखीये। उसने यीशु के बारे में सुन रखा था। वह उसे देख नहीं सकता, परन्तु उसे बताया गया की यीशु अब वहाँ से गुज़र रहे हैं और वह चिल्लाने लगता है, "यीशु मुझ पर दया कर!" और हर कोई उसे डाँट कर कह रहा है "चुप हो जा!" और यीशु ने उसे सुना।

यीशु ने पूछा, "वह कौन है? उसे बुलाओ।" कुछ लोग उसके पास जाते हैं और वह चिल्ला रहा है "यीशु मुझ पर दया कर!" और वे उस से कहते हैं "ढाढस बाँध" - *थारसी*, "यीशु तुझे बुला रहा है।" यह एक अंधे व्यक्ती को शांत कर सकता है। आप को बस यीशु का बुलावा आना चाहिये। उसका

बुलावा; "उसने तुझे बुलाया। ढाढस बाँध।" उन्होंने वही शब्द का प्रयोग किया: *धारसी*।

तीसरे पक्ष के लोग - अब यीशु नहीं कह रहा, परन्तु कोई और कह रहा है, "ऐ अन्धे व्यक्ती, क्योंकी यीशु ने तुझे बुलाया है, ढाढस बाँध।" और वे उसे यीशु के पास ले गये। यीशु ने उसकी अन्धी आँखों को चंगा किया और उसे अंधकार से छुटकारा दिलाया।

मैं आज आप से कह रहा हुँ - यीशु हर समस्या का जवाब ढाढस से देता है, जो विश्वास का दिल है - कभी न कहना की मर। "चाहे जो हो, मैं परमेश्वर पर विश्वास करता हुँ।" चाहे जो परस्थिती हो: मेरा दोष, उसने कहा की वह मुझे क्षमा करेगा - मेरा विश्वास मुझे साफ कर रहा है; मेरा विश्वास इस बात को पहचानेगा की तूफान में वह मेरे साथ है; मेरा विश्वास मुझे बताता है की मेरा भविष्य उसके नियंत्रण में है; मेरा विश्वास मुझे बताता है की "जिसे परमेश्वर बुलाता है, उसे शक्ति भी देता है।"

अब तीसरी पक्ष के लोग होने के नाते, मैं आप सब से कह रहा हुँ... संसार के बनने से पहले, परमेश्वर के बुलाने की परिक्षा थी, परमेश्वर के वचन को देखने, सुनने और सही जवाब देने की क्षमता - और मैं कह रहा हुँ की यदी यह नाप आप में है - परमेश्वर के वचन को सुनने और उस से प्रभावित होने की, तो यही पहचान है की आप बुलाये गयों में से एक हैं और इस के आगे मुझे कुछ नहीं कहना है इसके अलावा की चाहे जो आपकी परिस्थिती हो - क्योंकी आप परमेश्वर द्वारा बुलाये गये हैं, "ढाढस बाँधो।" आप पूरा कर पायेंगे।

अंधे देखेंगे। तूफान थम जायेगा। भविष्य सुरक्षित है। आपकी बिमारी दूर की जायेगी - यदी यहाँ पर नहीं तो हमेशा की ज्योती में। हार मत मानीये, भागीये मत, पीछे मत हटीये। ढाढस बाँधीये और इससे विश्वास उत्पन्न होगा। मेरा यही उपदेश है।

दान देने का समय है।

कई वर्ष पहले - मैंने जो पुस्तकें लिखीं थी, जो अभी दुकानों में बिक रही हैं, उस में कुछ अनुभव बताये गये हैं - परन्तु कुछ वर्ष पहले मैं इंगलैंड में ब्रिस्टल गया था, जो जार्ज मूल्लर का घर है। मैं वहाँ अकसर जाता रहता हुँ - वहाँ पर अनाथों की अलमारी में यह पुस्तक थी - इन विशाल इमारतों को देखीये (पाँच हैं) जिन में सर क्रिस्टोफर व्रेन के द्वारा बनाये हुए घर में शिक्षा विभाग है। यह अनाथ घरों का निर्माण जार्ज मूल्लर ने विश्वास से किया था। और मैं ब्रिस्टल की सडकों पर चलता हुँ, यह अजीब शहर है क्योंकी इस में शराब खाने भी हैं और गिरजाघर भी हैं। हर दूसरा दरवाजा या तो शराब की दुकान है या गिरजाघर। यहीं पर जॉन वैस्ली ने, जो यथाक्रम संस्था के संस्थापक हैं, प्रचार करना प्रारंम्भ किया था और उन के भाई ने कुछ महान गीत लिखे, और इस ऐतीहासिक गिरजाघर में चार्लस वैस्ली के हस्तलेख में लिखे हुए कुछ मौलिक गीत हैं।

आज इस उपदेश के अन्त में मैं चार्लस वैस्ली - जो जॉन वैस्ली के भाई हैं- का लिखा हुआ एक

गीत पढ कर सुनाना चाहूँगाः

"कई दुश्मनों से घिरा हुआ हुँ,
मेरे भीतर भी कई दुश्मनों ने तूफान मचा रखा है,
न झट से भाग सकता हुँ, न ही बलवन्त हुँ की विरोद कर सकूँ,
नरक, पृथ्वी और पाप के विरुद्ध अकेला हुँ,
मैं अकेला हुँ परन्तु घबराया हुआ नहीं हुँ,
मैं यीशु के नाम पर विश्वास करता हुँ।

चाहे हजारों सेना आ जायें

हजारों संसार मेरे प्राण को दहलाने आ जायें?
मेरे पास एक ढाल है जो उन के गुस्से से निपटेगा,

और परदेसी सेना को वापस भगा देगा;

देखने में वह खून बहता हुआ भेड का बच्चा है;
और मैं यीशु पर विश्वास रखता हुँ।

मैं शैतान के हाथ से बचना चाहता हुँ,
मैं इस बुरे संसार से भागना चाहता हुँ,
पाप हटाना चाहता हुँ, बंधन तोडना चाहता हुँ,
हर पक्षपात से बचने को,

मेरा प्रभु और परमेश्वर जो स्वर्ग से आया; - [वह करने के लिये]

मैं यीशु के नाम पर विश्वास करता हुँ।"

(और मैं जोडना चाहता हुँ की वह आप को इतनी आसानी से जाने नहीं देगा, क्योंकी उसने ऐसा दाम चुकाया है, यदी आप के पास ढाढस है तो आप उस पर विश्वास करें।)

"उसके नाम से मुक्ती है,
पाप, मृत्यु और नरक से मुक्ती,
मुक्ती पा कर महिमा में पहुँचेंगे,

मुक्ती कितनी महान है, कौन बता सकता है!

परन्तु मेरे लिये सब कुछ है मैं दावा करता हुँ;

मैं यीशु के नाम पर विश्वास करता हुँ।"

क्या आप मेरे साथ कहेंगे: "हम ने १९९८ को पार कर लिया है"?

"हम ने १९९८ को पार कर लिया है।

Copyright © 2007, Pastor Melissa Scott. - all rights reserved